**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Regarding status of interlinking rivers in the country.

**श्री ओम बिरला (कोटा) :** माननीय अध्यक्ष महोदया, इस देश के अंदर कई राज्यों में बाढ़ आई हुई है और कई राज्यों में अकाल पड़ा हुआ है। इसीलिए हमारी सरकार ने, माननीय प्रधान मंत्री जी ने, सम्पूर्ण देश के अंदर नदियों को जोड़ने की व्यापक योजना बनाई है। राजस्थान में भी इसी तरीके से नदियों को जोड़कर, ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट की योजना बनाई गई है। इस योजना के माध्यम से चम्बल बेसिन का 1437 एम.सी.एम पानी बर्बाद हो रहा है और वह खाड़ियों में जा रहा है। सरकार ने एक योजना बनाई है कि पार्वती, कालीसिंध, मेघ और छोटी घाटियों की नदियों को इंटर-लिंकिंग करके, जलस्तांतरण करके राजस्थान के इस एक प्रोजेक्ट का निर्माण कराया है। इसमें 272 कि.मी. कैनाल बनेगी, कई बांध बनेंगे और इसी के साथ ही हिम अवशेष पानी को रोककर, राजस्थान के 14 जिले- अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाय-माधोपुर, दौसा, जयपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ इत्यादि जिलों में किसानों के दो लाख हेक्टेअर खेतों में पानी पहुंचा पाएंगे।

राजस्थान के 14 जिलों में लोग फ्लोराइड का पानी पी रहे हैं, पीने के पानी का अभाव है। मुझे आशा है कि इस प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनने के बाद उन 14 जिलों के हर व्यक्ति को पीने का पानी पिलाएंगे और हर खेत को पानी भी देंगे।

अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधान मंत्री जी जब जयपुर आए थे तो मुख्य मंत्री जी ने यह विषय रखा था। यह इतनी बड़ी परियोजना है कि यह राजस्थान के विकास की मुख्यधारा होगी। किसान, नौजवान, मजदूर और हर खेत को पानी पिलाने की व्यापक योजना होगी। इसी के साथ इंडस्ट्री कॉरिडोर को भी पानी मिलेगा और वहां इंडस्ट्री भी पनपेगी।

मेरा आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से आग्रह है कि इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना बनाई जाए ताकि राजस्थान नए विकास की ओर बढ़ सके।

**माननीय अध्यक्ष:**

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री शरद त्रिपाठी,

डॉ. कुलमणि सामल,

श्री हरीश मीना,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को श्री ओम बिरला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।